647510 **BRS5HinE016D** **Seat No :_____**

B.R.S. Semester - 5 (Remedial) (CBCS) Examination
March/April-2026 (NEW COURSE)
E-16 Hindi(Elective-16)

Time: 2:30 Hours **Marks:70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न- १ खंडकाव्य का नायक नहुष के चरित्र की विशेषताएँ और दुर्बलताओं की चर्चा करे । (१४)

अथवा

प्रश्न- १ "नहुष" काव्य की कथावस्तु सर्गबध्द तरीके से लिखे ।

प्रश्न- २ गुरु बृहस्पति का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में लिखे । (१४)

अथवा

प्रश्न- २ राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्तजी के जीवन और कृतित्व की चर्चा करें ।

प्रश्न- ३ "नहुष" खंडकाव्य की नायिका शची का चरित्र स्पष्ट करें । (१४)

अथवा

प्रश्न- ३ नहुष काव्य में व्यक्त उदेश्यों की चर्चा करें ।

प्रश्न- ४ नहुष काव्य में नृत्यांगना उर्वशी का चरित्र-चित्रण करें । (१४)

अथवा

प्रश्न- ४ खंडकाव्य के लक्षणों की चर्चा करें ।

प्रश्न- ५ निम्नांकित संदर्भों में से किन्हीं दो संदर्भो की चर्चा करें (१४)

१) ऊँचे रहे स्वर्ग, नीचे भूमि को क्या टोटा है?
मस्तक से ह्रदय कभी क्या कुछ छोटा है ?
व्योम रचा जिसने, उसी ने वसुधा रची,
किस कृति हेतू नहीं, उसकीं कला बची?

२) कर्म करे लोग, इतना ही नहीँ इष्ट है,
शिष्ट है वही जो कर्म-कौशल विशिष्ट है ।
होगा वह क्या बडा जो विघ्नों से नहीं लडा ?
यों तो सुखी शांत वही, जो जड हुआ पडा ।

३) विस्मय है किंतु यहाँ भूल रहा कैसा मैं ?
इन्द्राणी उसी की इन्द्र जों, आज जैसा में
इन्द्राणी रहेगी वही, इन्द्र जो हो सो सही,
होगी हाँ कुमारी फिर, चिर युवती वहीं ।

४) मानता हुँ और सब, हार नहीं मानता,
अपनी अगति नहीं आज भी मैं जानता,
आज मेरा भुक्तो जनित हो गया है स्वर्ग भी,
लेके दिखा दूँगा कल मैं ही अपवर्ग भी" ।

****